लखनऊ
सोमवार, 07 अगस्त 2023
वर्षः-08 अंकः-02
पृष्ठः-8 मूल्यः- 2 रुपये
RNI- UPHIN/2016/74800

हिन्दी साप्ताहिक

करण वाणी

नई सोच, नया जुनून.....

दूसरों से हमेशा ऐसे बात करो कि कभी वापिस लेनी पड़े तो बुरा न लगे।

31 पुल, 6 फ्लाईओवर और 18 किलोमीटर एलिवेटेड रोड

4,700 करोड़ रुपये की लागत से बनाया जा रहा एक्सप्रेसवे, 45 मिनट में पूरा होगा 3 घंटे का सफर

63 किलोमीटर लंबे लखनऊ, कानपुर एक्सप्रेसवे एक्सप्रेसवे पर 18 किमी एलिवेटेड रूट रहेगा, 6 लेन मेन में बन रहे इस एक्सप्रेसवे को 8 लेन तक बढ़ाया जा सकता है।

करण वाणी, न्यूज

उत्तर प्रदेश में राजधानी लखनऊ और कानपुर के बीच एक ऐसा एक्सप्रेसवे बन रहा है, जिसके बनने के बाद इन दोनों शहरों के बीच कीदूरी डेढ़ 2 घंटे 3 घंटे से घटकर सिर्फ 45 मिनट रह जाएगी, लखनऊझकानपुर 6 लेन एक्सप्रेसवे का निर्माण कार्य शुरू हो गया है और2024 तक इसके बनकर तैयार होने की उम्मीद है, इस एक्सप्रेसवे की मदद से लखनऊझ कानपुर पर हैवी ट्रैफिक का लोड भी कम होगा, साथ ही इसे गंगा एक्सप्रेसवे और शहीद पथ से भी जोड़ा जाएगा।

लखनऊ से कानपुर के बीच बनाया जा रहा यह पहला एक्सप्रेसवे होगा, जो मुख्य सड़क पर ट्रैफिक को कम करने के लिए लखनऊ रिंगरोड से जोड़ा जाएगा, इस अहम रोड प्रोजेक्ट को भारतमाला परियोजना के तहत 4,700 आइये जानते हैं इस एक्सप्रेसवे का रूट और इसकी खासियतें।

63 किमी. लंबा एक्सप्रेसवे 6 लेन एक्सेस कंट्रोल लखनऊझकानपुर एक्सप्रेसवे, इन दोनों शहरों के बीच रोड कनेक्टिविटी में सुधारकरेगा. कुल 63 किमी लंबा यह एक्सप्रेसवे लखनऊ से कानपुर की दूरी की यात्रा का समय आधा कर देगा. लखनऊझकानपुर एक्सप्रेसवेदोनों शहरों के बीच यात्रा के समय को 1.5 से 3 घंटे से घटाकर लगभग 45 से 50 मिनट कर देगा. इन शहरों के बीच की दूरी सड़कमार्ग से 93 किलोमीटर है।

लखनऊ, कानपुर एक्सप्रेसवे एक्सप्रेसवे पर 18 किमी एलिवेटेड रूट रहेगा और 45 किमी ग्रीन फिल्ड पर नया रूट बनाया जाएगा. इसपरियोजना में 3 प्रमुख पुल, 28 छोटे पुल, 38 अंडरपास और 6 फ्लाईओवर शामिल होंगे।

कहां से होगा शुरू,कहां होगा खत्म? फिलहाल 6 लेन मेन में बन रहे इस एक्सप्रेसवे को 8 लेन तक बढ़ाया जा सकता है. रोड परट्रैफिक कम करने के लिए लखनऊ, कानपुर एक्सप्रेसवे को लखनऊ रिंग रोड से जोड़ा जाएगा. यह एक्सप्रेसवे 3.5 किलोमीटर तकनेशनल हाईवे 25 के समानांतर चलेगा, लखनऊ में शहीद पथ से शुरू होते हुए नवाबगंज को बंथरा, बनी, दतौली कांठा, तौरा, नेओरना, अमरसास और रावल के माध्यम से कानपुर से जोड़ेगा। राजधानी लखनऊ और कानपुर दोनों व्यापारिक दृष्टि से उत्तर प्रदेश के 2 बड़े शहर हैं. ऐसे में इन दोनों शहरों के बीच बेहतर रोडकनेक्टिविटी और ट्रैवल टाइम कम होने से राज्यों के नागरिकों को बहुत फायदा मिलेगा।

बॉयफ्रेंड के साथ मिलकर खुद छात्रा ने मांगी थी परिजनों से 10 लाख की फिरौती

कानपुर में अपहरण हुई छात्रा को पुलिस ने उसके प्रेमी के साथ बरामद कर लिया, छात्रा और उसके प्रेमी को लेकर बस्ती से कानपुर के लिए पुलिस रवाना हो गई. छात्रा का अपरहरण करने के बाद 10 लाख रुपये की फिरौती मांगी गई थी।

कानपुर। बर्रा थाना क्षेत्र के करार्ही में स्थित एक बैंक की शाखा से जाते समय छात्रा का अपहरण कर लिया गया था. छात्रा को बस्ती से बरामद कर लिया गया है. संयुक्त पुलिस आयुक्त आनंद प्रकाश तिवारी की स्पेशल टीम ने छात्रा को बरामद किया. नौबस्ता एसीपी अभिषेक पांडे के नेतृत्व में टीम ने छात्रा और उसके प्रेमी को सकुशल बरामद कर लिया.बता दें कि पीड़िता के परिजनों ने बताया था कि उनकी बेटी बीते शुक्रवार शाम को कोचिंग गई थी. जब देर शाम तक वापस नहीं लौटी तो फोन कर जानकारी करने का प्रयास किया गया. लेकिन, बेटी का मोबाइल नहीं उठा. वहीं, थोड़ी देर बाद शुक्रवार रात को बेटी ही के मोबाइल से परिजनों के मोबाइल पर एक वीडियो आया. इसमें उनकी बेटी के मुंह पर रुमाल बंधा हुआ था और वह खुद को बचाने की गुहार लगा रही थी. वहीं, वीडियो में अपहरणकर्ताओं ने छात्रा को छोड़ने के लिए दस लाख रुपये की फिरौती की मांग की. युवती के पिता ने बताया कि उनकी बेटी का इस साल आईआईटी रुड़की में चयन भी हो गया है.घटना की जानकारी परिजनों ने बर्रा पुलिस को दी. वहीं, परिजनों ने इलाके के ही रहने वाले एक युवक पर शक जताया. पीड़ित परिवार द्वारा जिस युवक पर शक जताया गया था, बर्रा पुलिस को उसी युवक के साथ युवती के इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ फोटो भी मिले थे. संयुक्त पुलिस आयुक्त आनंद प्रकाश तिवारी ने बताया कि स्पेशल टीम द्वारा लड़की और लड़के को बरामद कर लिया गया है. बस्ती जिले से दोनों को बरामद किया गया. इन दोनों ने कोर्ट मैरिज कर ली थी और दोनों को सकुशल कानपुर लाया गया है. छात्रा ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर पहले खुद अपना अपहरण कराया और उसके बाद परिजनों से 10 लाख रुपये की।

DNM GROUP OF INSTITUTIONS
LUCKNOW

पॉलिटेक्निक
डी. फार्मा
बी.ए.
बी.एस.सी

Admission Open

7880341111
www.dnmiet.ac.in

एन.एच.25-ए,कटी बगिया (साई मंदिर के पास), बंथरा, कानपुर रोड, लखनऊ

पर्यटन, इन्फ्रास्ट्रक्चर, फार्मा सहित कई क्षेत्रों में यूपी और मैक्सिको के बीच हुआ एमओयू

▶▶ यूपी और नुईवो लियोन के बीच मैत्री, विश्वास और सौहार्द से कायम होंगे मजबूत औद्योगिक रिश्ते : योगी आदित्यनाथ

▶▶ मैक्सिको के नुईवो लियोन के गर्वनर और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में हुआ एमओयू

करण वाणी, न्यूज

लखनऊ। उत्तर प्रदेश और मैक्सिको के नुईवो लियोन के बीच पर्यटन, इन्फ्रास्ट्रक्चर, फार्मा, एग्रीकल्चर और मेडिकल सेक्टर सहित अन्यसेक्टरों में निवेश को लेकर एमओयू हुआ है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और नुईवो लियोन के गर्वनर सैमुअल गर्सिया सेफलवेदा कीमौजूदगी में शनिवार को आईआईडीसी मनोज कुमार और नुईवो लियोन के मिनिस्टर ऑफ इकोनॉमिक्स इवान रिवास राडरिगेज नेएमओयू का हस्तांतरण किया।

इस दौरान अपने वक्तव्य में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मैक्सिको के गर्वनर और उनके साथ आएप्रतिनिधिमंडल का स्वागत करते हुए कहा कि यूपी और नुईवो लियोन के बीच आज मैत्री, विश्वास और सौहार्द से मजबूत औद्योगिकरिश्ते कायम हो रहे हैं। उत्तर प्रदेश ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के मामले में देश का अग्रणी राज्य है।

उत्तर प्रदेश निवेश का बेहतरीन गंतव्य बन चुका है

मुख्यमंत्री ने कहा कि ये हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण है कि नुईवो लियोन के गर्वनर अपनी टीम के साथ उत्तर प्रदेश में औद्योगिक निवेश केसंभावनाएं तलाश रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आज भारत वैश्विक मंच पर अग्रणी भूमिका निभा रहा है। प्रधानमंत्री केदिशा निर्देश में उत्तर प्रदेश भी दुनिया के लिए निवेश का बेहतरीन गंतव्य बन चुका है। उत्तर प्रदेश और नुईवो लियोन दोनों विकास कोसमर्पित हैं और हम इस परंपरा को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश हर मामले में समृद्ध प्रदेश है। यूपीभारतीय संस्कृति का प्रतिनिधित्व करता है। उत्तर प्रदेश ना केवल कृषि, बल्कि पर्यटन सेक्टर के लिए भी बहुत ही महत्वपूर्ण स्थल है।प्रदेश में आधुनिक इन्फ्रास्ट्रक्चर, एक्सप्रेस वे, बेहतरीन इंटरस्टेट कनेक्टिविटी, एयर कनेक्टिविट, रेल नेटवर्क, इनलैंड वाटर वे के जरिएपूर्वी बंदरगाह तक पहुंच, डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर जंक्शन मौजूद है। यूपी आज लॉजिस्टिक और ट्रांसपोर्ट का हब बन चुका है। इसकेअलावा औद्योगिक निवेश को आकर्षित करने के लिए हम 25 सेक्टोरियल पॉलिसी लेकर आए हैं। आज उत्तर प्रदेश में निवेशकों कोनिवेश के लिए बेहतरीन सुविधाएं दी जा रही हैं।

विभिन्न क्षेत्रों में एक साथ काम करने को लेकर हम उत्साहित : गर्वनर सैमुअल

नुईवो लियोन के गवर्नर गर्सिया सेफलवेदा ने बताया कि मेरे लिये ये सौभाग्य की बात है कि मैं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगीआदित्यनाथ और उनकी कैबिनेट के सदस्यों से मिलकर आपसी व्यापारिक रिश्ते कायम कर रहा हूं। हम विभिन्न क्षेत्रों में एक साथ कामकरने को लेकर उत्साहित हैं। उत्तर प्रदेश और नुईवो लियोन एक दूसरे के बहुत करीब हैं। हमारा प्रदेश मैक्सिको का औद्योगिक प्रदेश है, ऐसे ही भारत के उत्तर प्रदेश में आज बड़े पैमाने पर निवेश हो रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश बेहद शानदारतरीके से आगे बढ़ रहा है। मैं विश्वास दिलाता हूं कि भारत और मैक्सिको 14 हजार किलोमीटर दूर होकर भी एक दूसरे से दूर नहीं हैं। ठीक वैसे ही हमारे राज्य नुईवो लियोन में भी हम कानून का शासनबनाए रखने में कामयाब हुए हैं। हम टीम यूपी को नुईवो लियोन में आमंत्रित करते हैं। हमें मुझे विश्वास है कि आज के एमओयू के साथ ही हम दोनों विकास और प्रगति के पथ पर आगे बढ़ेंगे।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, प्रदेश के मत्स्य मंत्री संजय निषाद, औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल नंदी, नुईवो लियोनके डिप्टी सेक्रेटरी फॉर इन्वेस्टमेंट इमैनुअल लू, उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव दुगार्शंकर मिश्र, आईआईडीसी मनोज कुमार सिंह और प्रमुखसचिव गृह संजय प्रसाद मुख्य रूप से मौजूद रहे।

लखनऊ से कानपुर के बीच बन रहा एक्सप्रेस वे लेने लगा आकार

यातायात होगा सुलभ, 35 मिनट में पूरी होगी दूरी

करण वाणी, न्यूज

लखनऊ से कानपुर के बीच की दूरी कम करने के लिए बन रहा एक्सप्रेस वे आकार लेने लगा है। इस सुलभ यातायात का सपना अगले वर्ष दिसंबर 2024 तक पूरा हो जाएगा। कानपुर रोड पर पिलर खड़े करने का काम शुरू हो गया है। बनी तक करीब 12 किमी. तक पिलर बनने लगे हैं।

पहले फेज में 360 पिलर पर बनने वाले 18 किलोमीटर के एलिवेटेड रोड के लिए निर्माण युद्ध स्तर पर चल रहा है। निर्माण होने से 63 किमी. की दूरी मात्र 35 मिनट में पूरी होगी। बनी के पास एलीवेटेड सेक्शन के लिए पिलर खड़े होने लगे हैं।

दो पैकेज में हो रहा काम

लखनऊ-उन्नाव सीमा से पहले गांव हिनौरा में सड़क के लिए मिट्टी डालने का कार्य शुरू हो चुका है। 63 किमी. लंबे एक्सप्रेस वे का काम दो पैकेज में हो रहा है। करीब 18 किमी का पैकेज-एक लखनऊ कानपुर रोड पर बनी के पास तक होगा। इसमें से 12 किमी. में सड़क पिलर पर रहेगी, जिनके लिए करीब 360 पिलर पूरे रूट पर बनेंगे।

बंथरा और बनी के बीच कानपुर रोड पर सड़क बैरिकेड कर पिलर की ढलाई का काम चालू है। करीब 10 प्रतिशत पिलर के ढांचे तैयार हो गए हैं। 18 पिलर पर सड़क बनाने के लिए पिलर कैप बनाने का कार्य शुरू हो गया है। कई पिलर पर शटरिंग का काम भी चालू है।

नाले का किया जा रहा निर्माण

यार्ड में तैयार हो रहे प्रीकास्ट तकनीक से बने गर्डर कानपुर रोड के पास रखे गए हैं। पिलर निर्माण के साथ ही उन्हें चढ़ाने का कार्य शुरू हो जाएगा। चढ़ाने के लिए ट्रैक भी तैयार हो चुका है। यहां सई नदी में बाढ़ से जल निकासी के लिए नाले का निर्माण किया जा रहा है।

दिसंबर 2024 तक पूरा होना है काम

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआइ) के परियोजना निदेशक सौरभ चौरसिया ने बताया कि एलीवेटेड सेक्शन पर करीब 10 प्रतिशत कार्य पूरा हो गया है। 45 किमी. लंबे पैकेज-दो के ग्रीनफील्ड सेक्शन पर भी काम शुरू हो चुका है। प्रोजेक्ट की प्रगति के लिए सटीक निगरानी की जा रही है। अगले साल दिसंबर 2024 तक प्रोजेक्ट पूरा कर लिया जाएगा।

लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेस वे की कुछ खास बातें

- 18 किमी का एलीवेटेड सेक्शन का होगा पहला पैकेज।
- 360 पिलर करीब 12 किमी लंबाई में बनने हैं।
- 45 किमी के ग्रीनफील्ड सेक्शन का दूसरा पैकेज।
- 63 किमी लंबा होगा लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेस वे।
- 35 मिनट में पूरा होगा लखनऊ से कानपुर का सफर।
- छह लेन वाला यह एक्सप्रेस-वे दिसंबर 2024 तक होगा तैयार।
- वर्तमान में लखनऊ से कानपुर पहुंचने में डेढ़ से तीन घंटे लगते हैं।

उप जिलाधिकारी ने पत्रकारों के साथ लगाया सिंदूर का पेड़

अवध प्रेस क्लब के पदाधिकारियों ने किया तहसील परिसर में पौधारोपण

करण वाणी, न्यूज

सरोजनी नगर। तहसील परिसर में अवध प्रेस क्लब द्वारा वृक्षारोपण के कार्यक्रम का आयोजन किया गया। तहसील के अधिकारियों व वन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में पौधारोपण किया गया। इस दौरान उप जिलाधिकारी सचिन कुमार वर्मा ने कहा कि प्रेस क्लब ने पौधारोपण कर पुण्य कार्य किया है, जो सराहनीय है। इस क्षेत्र में आगामी दिनों में भी पौधारोपण के कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा इसका समाज में अच्छा संदेश जाएगा। और पौधारोपण अभियान में तेजी आएगी और वनों को हरा भरा करने में मदद मिलेगी।इस मौके पर प्रेस क्लब के अध्यक्ष अरविंद सिंह चौहान वरिष्ठ उपाध्यक्ष आशीष कुमार सिंह समेत सभी पदाधिकारियों ने कहा कि सामाजिक सरोकार के कार्यों में प्रेस क्लब हमेशा आगे रहता है। इसी कड़ी में वन विभाग के साथ मिलकर प्रेस क्लब ने पौधारोपण किया है। पर्यावरण को बचाने के लिए हम सभी को प्रयास करने होंगे। इस मौके पर प्रेस क्लब के पदाधिकारियों व सदस्यों सहित वन कर्मियों ने भी विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपित किए।

इस मौके पर महामंत्री मोनू सिंह मंत्री पंकज प्रजापति सह संगठन मंत्री नितिन पटेल प्रचार मंत्री ऋषि राज गुप्ता मीडिया प्रभारी अभिलाष मिश्रा सचिव कृष्ण कुमार सिंह तथा सदस्य महेंद्र राजपूत दीपराज सिंह ने एक

पेड़ को तहसील परिसर में लगाया गया। इसके अलावा उपजिलाधिकारी सचिन कुमार वर्मा ने सिंदूर का पेड़ लगाया वही प्रशिक्षु उप जिलाधिकारी परितोष मिश्रा तहसीलदार विजेंद्र उपाध्याय नायब तहसीलदार अविनाश रावत समेत अन्य अधिकारियों ने भी तहसील परिसर में वृक्षारोपण किया। इस मौके पर वन विभाग के रेंजर शौकत उल्ला खान, फॉरेस्टर राजेश सिंह, प्रीति मिश्रा, मोहन, अभिषेक वर्मा, रामदत्त आदि वन विभाग के कर्मचारियों का विशेष सहयोग रहा।

पत्रकारों को दिया आश्वासन

उपजिलाधकारी सरोजनीनगर सचिन कुमार वर्मा के सामने अवध प्रेस क्लब के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने पत्रकारों के लिए कोई भी बैठने की समुचित व्यवस्था न होने को लेकर बात रखी। जिस पर उपजिलाधिकारी ने पत्रकारों के बैठने की व्यवस्था कराने का आश्वासन दिया।

अमौसी एयरपोर्ट पर पैसेंजरों को लिए बिना उड़ गए इंडिगो के दो विमान

लखनऊ (करण वाणी, न्यूज)। एयरपोर्ट सूत्रों के मुताबिक लखनऊ से देहरादून जाने वाली इण्डिगो एयरलाइन की उड़ान संख्या 6ई-6311 और अहमदाबाद जाने वाली उड़ान 6ई-276 के यात्री फ्लाइट मिस कर गए। उड़ान छूटने से नाराज यात्रियों ने हंगामा भी किया।

अमौसी एयरपोर्ट पर शनिवार को इंडिगो एयरलाइंस का ऑनलाइन बोर्डिंग सिस्टम फेल हो गया है। इससे चेकइन का काम मैनुअली करना पड़ा। सिस्टम फेल होने पर कई यात्रियों की उड़ान छूट गईं, जिससे नाराज यात्रियों ने हंगामा किया। हालांकि, एयरलाइन प्रशासन ने यात्रियों को दूसरे विमानों से रवाना करने का आश्वासन देकर मामले को शांत कराया।

दरअसल, शनिवार दोपहर करीब पौने दो बजे इंडिगो एयरलाइन का बोर्डिंग सिस्टम ठप हो गया। इसके चलते एयरपोर्ट पर पैसेंजरों की लम्बी लाइन लग गई। बोर्डिंग के लिए मशक्कत शुरू हो गई। इस दौरान कतारों में दिल्ली, अहमदाबाद आदि के यात्री लगे हुए थे। यात्रियों की सुविधा के लिए एयरलाइन प्रशासन के कर्मचारियों ने ऑफलाइन बोर्डिंग की व्यवस्था शुरू की। इसमें खासा समय लग रहा था।

ऐसे में पैसेंजर मैनुअली बोर्डिंग करवाकर विमान तक पहुंचते, तब तक लेट हो चुका था। इससे कई यात्रियों की फ्लाइटें मिस हो गईं। एयरपोर्ट सूत्रों के मुताबिक लखनऊ से देहरादून जाने वाली इण्डिगो एयरलाइन की उड़ान संख्या 6ई-6311 और अहमदाबाद जाने वाली उड़ान 6ई-276 के यात्री फ्लाइट मिस कर गए। उड़ान छूटने से नाराज यात्रियों ने हंगामा भी किया।

मौके पर पहुंचे एयरलाइंस अधिकारियों ने यात्रियों को दूसरे विमान से भेजने का आश्वसान दिया, जिस पर पैसेंजर शांत हुए। सूत्रों ने यह भी बताया कि शाम करीब पांच बजे ऑनलाइन बोर्डिंग की तकनीकी खराबी को ठीक किया जा सका। इस गड़बड़ी की वजह से लखनऊ से जाने वाली आधा दर्जन से अधिक इंडिगो की उड़ानें लेट हुईं।

जमीन कब्जा मुक्त कराने के लिए तहसील दिवस में लगायी न्याय की गुहार

करण वाणी, न्यूज

सरोजिनी नगर, लखनऊ। बंथरा थाना क्षेत्र के नरायनपुर गांव निवासी किसान कुसमा सिंह पत्नी करुणेश सिंह ने सरोजनी नगर तहसील समाधान दिवस में उप जिलाधिकारी के समक्ष अपनी जमीन को गांव के ही कुछ कथित दबंगों द्वारा कब्जा मुक्त कराने की गुहार लगाई है।

किसान कुसमा सिंह ने बताया कि गांव के ही गाटा संख्या 272/858 को उन्होंने सरजू देई पत्नी बेचालाल से वर्ष 2021 में बैनामा कराया था तथा समस्त राजस्व अभिलेखों में प्रार्थिनी का नाम दर्ज है। किसान का आरोप है कि उक्त भूमि पर गांव के ही लाल बहादुर सिंह, वीर बहादुर सिंह, जीत बहादुर सिंह पुत्रगण स्वर्गीय कालिका सिंह, आकाश सिंह, निखिल सिंह पुत्र वीर बहादुर सिंह, सूरज सिंह पुत्र लाल बहादुर सिंह जबरदस्ती कब्जा करने की कोशिश कर रहे हैं।

इसके अलावा किसान आरोप लगाया कि उक्त लोग पैसे की मांग करते हैं और फर्जी मुकदमे में फंसाने की धमकी देते हैं। प्रार्थिनी जब अपने खेत पर जाती है तो वह लोग लड़ाई झगड़ा करने पर उतारू होते हैं तथा गंदी गंदी गालियां देने के साथ जान से मारने की धमकी देते रहते हैं। पीड़ित ने तहसील समाधान दिवस में अपनी भूमि को कब्जा मुक्त कराने की गुहार लगाई है जिस पर उपजिलाधिकारी ने स्थानीय पुलिस को जांच कर कार्यवाही करने का आदेश दिया है।

हाईवे पर प्लॉट लेकर बना रहे हैं मकान, अगर तोड़ा नियम, तो टूट जाएगा घर

नेशनल हाईवे कंट्रोल एक्ट, सेक्शन 42 में हाईवे के किनारे निर्माण कार्यों को लेकर नियम स्पष्ट किए गए हैं. लखनऊ में आउटर रिंगरोड पर इन नियमों की अनदेखी करने पर मकानों को तोड़ने का नोटिस दिया जा रहा है।

▶▶लखनऊ में आउटर रिंग रोड पर दोनों तरफ हुए निर्माण को अवैध मानते हुए छऊअ ने नोटिस जारी करना शुरू किया।

▶▶सभी नेशनल हाईवे के दोनों किनारों के 90 मीटर के भीतर कृषि भूमि की बिक्री पर मनाही है।

▶▶नेशनल हाईवे कंट्रोल एक्ट, सेक्शन 42 में हाईवे के किनारे निर्माण कार्यों को लेकर नियम स्पष्ट किए गए हैं।

करण वाणी, न्यूज

नई दिल्ली। देश में हाईवे के किनारे प्लॉट लेना लोगों को फायदे का सौदा लगता है इसलिए रोड के आसपास की जमीनों को बिल्डर्सऔर डेवलपर्स औनेझ्रपैने दामों पर बेचते हैं, लेकिन, हाईवे के किनारे जमीन पर रेसिडेंशियल या कमर्शियल निर्माण को लेकर कुछ नियमहैं, जिनकी अनदेखी करने पर आपके घर व दुकानों को तोड़ा जा सकता है, यूपी की राजधानी लखनऊ में आउटर रिंग रोड पर कुछ ऐसाही हो रहा है।

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में किसान पथ को कवर करने वाली आउटर रिंग रोड पर प्लॉट खरीदने वाले लोगों को लखनऊ विकासप्राधिकरण ने रोड के दोनों तरफ हुए निर्माण को अवैध मानते हुए सीलिंग और तोड़ने का नोटिस जारी करना शुरू कर दिया है, एलडीएका कहना है कि रोड के किनारे निर्माण कार्य को लेकर लोगों ने नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया की गाइडलाइंस को तोड़ा है।

हाईवे के किनारे जमीन खरीदी से जुड़ा नियम

एनएचएआई गाइडलाइंस में आउटर रिंग रोड और सभी नेशनल हाईवे के दोनों किनारों के 90 मीटर के भीतर कृषि भूमि की बिक्रीनिषिद्ध है, क्योंकि भविष्य में सड़क विस्तार के लिए जगह की आवश्यकता होती है।

एलडीए के जोनल अधिकारी देवांश त्रिवेदी ने बताया कि हाईवे के किनारे खेती पर कोई रोक नहीं है, किसान अपनी झोपड़ी भी बनासकते हैं, लेकिन किसान पथ के दोनों किनारों के 90 मीटर के भीतर जमीन पर कोई स्थायी निर्माण नहीं हो सकता है।

क्या कहता है एनएचएआई का नियम

अगर आप नेशनल या स्टेट हाईवे के किनारे किसी तरह का निर्माण करवा रहे हैं या फिर जमीन खरीद रहे हैं. तो सडक के मध्य सेआपके निर्माण कार्य के बीच की दूरी 75 फुट होनी

चाहिए. इसलिए हाईवे के मध्य से दोनों ओर 75-75 मीटर के दायरे में कोई निर्माणकार्य नहीं होगा, हालांकि, अगर निर्माण बेहद जरूरी है तो इसके लिए सड़क परिवहन मंत्रालय और ठल्लअक से मंजूरी लेनी पड़ती है।

नेशनल हाईवे कंट्रोल एक्ट, सेक्शन 42 में हाईवे के किनारे निर्माण कार्यों को लेकर नियम स्पष्ट किए गए हैं, इन नियमों के तहतराजमार्ग के मध्य से 40 मीटर तक निर्माण की मंजूरी बिल्कुल नहीं मिलेगी, जबकि 40 से 75 मीटर के दायरे में निर्माण बहुत जरूरी हैतो जमीन मालिक को एनएचएआई से अनुमति लेनी होगी।

इससे पहले जिला मजिस्ट्रेट सूर्य पाल गंगवार ने मार्च 2023 में घर खरीदारों को आउटर रिंग रोड के किनारे प्लॉट खरीदने के प्रतिआगाह किया था. उस समय डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट ने कहा था, ह्लप्लॉट, फ्लैट, दुकान या रोझ्रहाउस खरीदने से पहले प्रोजेक्ट कीप्रामाणिकता सत्यापित करें. विक्रेता से विकास प्राधिकरण द्वारा पारित लेआउट और अनुमोदित मानचित्र मांगने में संकोच न करें।

15 अगस्त तक आ सकती है भाजपा के नए जिलाध्यक्षों की सूची

भाजपा अपने नए जिलाध्यक्षों की सूची 15 अगस्त तक जारी कर सकती है। लोकसभा चुनाव 2024 के मद्देनजर सभी क्षेत्रों में जातीयऔर क्षेत्रीय संतुलन बनाने में मशक्कत करनी पड़ रही है। पार्टी अच्छी कार्यशैली और साफसुथरी छवि वाले नेताओं को फिर से मौका देसकती है।

भाजपा के संगठनात्मक जिलों में नए जिलाध्यक्षों की घोषणा 15 अगस्त तक हो सकती है। जिलाध्यक्षों की नियुक्ति में जातीय और क्षेत्रीय संतुलन बनाने में पेंच फंस गया है। प्रदेश नेतृत्व लोकसभा चुनाव के मद्देनजर जिलाध्यक्षों की नियुक्ति को लेकर लखनऊ सेदिल्ली तक मंथन कर रहा है।

विधानसभा चुनाव के बाद से भाजपा के 98 संगठनात्मक जिलों में जिलाध्यक्ष बदलने की चर्चा चल रही है। पार्टी ने जुलाई में सभीजिलों में पर्यवेक्षक भेजकर जिलाध्यक्षों की नियुक्ति के लिए पैनल तैयार कराया है। पैनल में हर जिले से तीन से चार दावेदारों के नामहैं। लेकिन इन नामों पर क्षेत्रीय अध्यक्षों के साथ मंथन नहीं हुआ है। उच्च स्तर पर हुए विचार में सभी छह क्षेत्रों में जातीय और क्षेत्रीयसंतुलन बनाना जरूरी है। अगड़ी, पिछड़ी और दलित वर्ग की सभी जातियों के साथ महिलाओं को प्रतिनिधित्व भी देना है।

नूंह हिंसाः बुलडोजर की कार्यवाई पर बोले सपा सांसद, जुल्म नहीं करना चाहिए

करण वाणी, न्यूज

सपा सांसद डॉ एस टी हसन ने कहा कि आप अपराधी पकड़िए, जिस मकान को तोड़ा जा रहा है उसमें तो और लोग भी हैं, उनका क्याअपराध था जो उन्हें घर से बेघर कर दिया।

हरियाणा के नूंह में हिंसा के बाद हो रही बुलडोजर की कार्यवाई पर मुरादाबाद से समाजवादी पार्टी के सांसद डॉ एस टी हसन नेप्रतिक्रिया दी है, सपा सांसद ने कहा कि सरकार अपराधियो को पकड़े, मकान तो अपराधी नहीं होते और गरीब लोगों की झोपड़ियां औरमकान तोड़े जा रहे हैं, उन्हें तो दो वक्त की रोटी भी मुश्किल से मिलती है, ऐसा जुल्म नहीं करना चाहिए कि लाइन से मकानो को उजाड़दें।

सपा सांसद ने कहा जिस मकान को तोड़ा जा रहा है उसमें तो और लोग भी हैं, उनका क्या अपराध था जो उन्हें घर से बेघर कर दियाजाए, ये इंसानियत के खिलाफ है अब सरकार को वो रोहंगिया नजर आ रहे हैं ये तो सरकार की गलती थी पहले नही थे वो, तब सरकारक्यो सो रही थी, अगर वो रोहंगिया हैं या अवैध रूप से रह रहे हैं तो निकाल कर बाहर करें।

ग्रह मंत्री अनिल विज ने मोनू मानेसर के बारे में नहीं बताया

इसके साथ ही सपा सांसद ने हरियाणा के ग्रह मंत्री अनिल विज को जवाब देते हुए कहा कि उन्होंने मोनू मानेसर के बारे में नहीं बतायाकुछ, इस मुद्दे पर अनिल विज द्वारा दिए गए बयान पर सपा सांसद ने कहा कि एक गृह मंत्री को ये बातें शोभा नहीं देती हैं, अब डबलइंजन की सरकारें फेल हो रही है।

केवल हिन्दू मुसलमान की बात हो रही है

मणिपुर की हिंसा में 3 मौतों पर सपा सांसद ने कहा कि ये सारी हिंसाएं जो हो रही है मणिपुर हो, हरियाणा हो इन सबकी जिम्मेदारआज की सियासत है, सियासत अब न रोजगार की बात करती है न किसान की बात करती है, अब केवल हिन्दू मुसलमान की बात होरही है जब ऐसी बाते होंगी तो हालात ऐसे ही बिगड़ेंगे, मणिपुर के अल्पसंख्यक परेशान हैं और यहां पर भी ये सब कुछ हो रहा है अबनफरतों की राजनीति बन्द करनी पड़ेगी।

टमाटर की खेती से होगी लाखों की कमाई, इन बातों का रखें ध्यान

टमाटर की खेती कर आप अच्छी कमाई कर सकते हैं, टमाटर की खेती करना आसान है, बस इसकी खेती के दौरान कुछ चीजें ध्यान मेंरखनी चाहिए, आइए जानते हैं, टमाटर की खेती से जुड़ी जरूरी टिप्स।

करण वाणी, न्यूज

भारत में टमाटर की खेती बड़े स्तर पर होती है. कई किसान टमाटर की खेती कर बड़ा मुनाफा कमाते हैं. अगर आप 1 हेक्टेयर में भी टमाटर की खेती करते हैं, तो आपके पास 800 से 1200 क्विंटल टमाटर का उत्पादन होगा।

टमाटर की खेती के लिए कैसी होनी चाहिए मिट्टी?

टमाटर की खेती अलगझअलग तरह की मिट्टी पर की जा सकती है. इसके लिए रेतीली दोमट से लेकर चिकनी मिट्टी, लाल और काली मिट्टी तक पर खेती की जा सकती है. बस एक चीज का ध्यान रखें, जो भी मिट्टी आपके खेत में हो, उसमें पानी की उचित निकासी होनी चाहिए।

कब करनी चाहिए टमाटर की खेती?

अगर उत्तर भारत की बात करें तो टमाटर की खेती यहां साल में दो बार की जाती है. पहली खेती जुलाई अगस्त से शुरू होकर फरवरी मार्च तक चलती है. वहीं, दूसरी खेती नवंबर दिसंबर से लेकर जून जुलाई तक चलती है।

इस खेती में होता है कितना फायदा?

टमाटर की खेती में किसान बड़ा फायदा उठा सकते हैं. किसान एक हेक्टेयर में 800-1200 क्विंटल तक पैदावार पा सकते हैं. ज्यादापैदावार की वजह से किसानों को लागत से ज्यादा मुनाफा होता है. आप अगर एक हेक्टेयर में खेती कर रहे हैं, तो आप 15 लाख तककी कमाई कर सकते हैं।

एक हेक्टेयर जमीन के लिए चाहिए कितने टमाटर के बीज?

अगर आप सामान्य किस्म का टमाटर लगाते हैं तो प्रति हेक्टेयर आपको करीब 500 ग्राम बीज की जरूरत होगी, जबकि हाइब्रिड बीच250-300 ग्राम ही चाहिए होगा।

खेती से पहले बीजों से नर्सरी तैयार की जाती है?

टमाटर की खेती में सबसे पहले बीजों से नर्सरी तैयार की जाती है. करीब महीने भर में नर्सरी के पौधे खेतों में लगाने लायक हो जाते हैं।

कैसे करें खेत की सिंचाई?

सर्दियों के मौसम में 6 से 7 दिन के अंतराल पर आपको खेत की सिंचाई करनी चाहिए और गर्मी के महीने में मिट्टी की नमी के आधार पर10-15 दिनों के अंतराल पर सिंचाई करें।

कितना तापमान खेती के लिए उचित?

टमाटर एक ऐसी सब्जी है जो गर्म जलवायु में ही उगाई जाती है परंतु इसकी खेती ज्यादातर ठंडे मौसम में की जाती है. इसके सफलउत्पादन के लिए इसका तापमान 21 से 23 डिग्री अनुकूल माना जाता है।

ये राज्य हैं टमाटर के प्रमुख उत्पादक?

बिहार, कर्नाटक, उत्तर प्रदेश, ओडिशा, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश और पश्चिम बंगाल टमाटर के मुख्य उत्पादक वाले राज्य हैं. पंजाब में, अमृतसर, रोपड़, जालंधर, होशियारपुर टमाटर उगाने वाले जिले हैं।

लेमनग्रास के पौधें से 12 महीने लगातार मुनाफा

लेमनग्रास की पत्तियों का उपयोग सबसे ज्यादा परफ्यूम, साबुन, निरमा, डिटर्जेंट, तेल, हेयर आयल, मच्छर लोशन, सिरदर्द की दवा व कास्मेटिक बनाने में भी प्रयोग बनाने में भी प्रयोग किया जाता है, ऐसे में इन प्रोडक्ट्स को बनाने वाली फैक्टरियों में इस पोधे के तेल की काफी मांग होती है।

लखनऊ (करण वाणी, न्यूज)। भारत में किसानों के आर्थिक हालात सुधारने और जीवनस्तर को बेहतर करने के लिए सरकार की तरफ से तमाम तरह के प्रयास किए जाते रहे हैं. इसी कड़ी में एरोमा मिशन के तहत सुगंठित पौधों की खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है. इन्हीं में से एक प्रयोग है लेमनग्रास की खेती. इस पौधे की सबसे खास बात ये है कि इसे सूखाग्रस्त इलाकों में भी लगाया जा सकता है।

कमाएं बंपर मुनाफा

लेमनग्रास की पत्तियों का प्रयोग परफ्यूम, साबुन, निरमा, डिटर्जेंट, तेल, हेयर आयल, मच्छर लोशन, सिरदर्द की दवा व कास्मेटिक बनाने में किया जाता है, ऐसे में इन प्रोडक्ट्स को बनाने वाली फैक्टरियों में इस पौधे के तेल की काफी मांग होती है. साथ ही एक अनुमान के मुताबिक, भारत हर वर्ष करीब 700 टन नींबू घास के तेल का उत्पादन करता है. इसके तेल को बाहर विदेशों में भी निर्यात किया जाता है. ऐसे में किसानों के पास इस पौधे की खेती कर लाखों का मुनाफा कमाने का अवसर है।

लेमनग्रास के पौधों की खासियत

लेमनग्रास के पौधे की खास बात ये है कि बंजर से बंजर जमीन पर उगाया जा सकता है. साथ ही इसकी खेती में लागत भी ज्यादा नहीं आती है, गोबर की खाद और लकड़ी की राख और 8-9 सिंचाई में ये पौधा तैयार होकर लहलहाने लगता है, एक बार इस इसके पौधों को लगाने के बाद आप 7 साल तक दोबारा बुआई से छुटकारा पा जाएंगे. हर तीन महीने के अंतराल पर किसान इस पौधे की पत्तियों की कटाई कर पूरे साल बढ़िया मुनाफा कमा सकते हैं। लेमनग्रास पौधे इसकी खेती साल में किसी भी समय की जा सकती है, लेकिन अगर सबसे मुफीद महीने की बात करें तो फरवरी-मार्च या फिर जुलाई का महीना ज्यादा उपयुक्त मानते हैं. बंजर से बंजर जमीन पर इसकी खेती की जा सकती है. इस पौधे की खेती करते समय पौधे से पौधे के बीच दो-दो फीट की दूरी लेनी चाहिए ताकि पूरे फसल की विकास सही तरीके से हो सके।

बिना शादी के इलियाना डिक्रूज ने पहले बच्चे को दिया जन्म

करण वाणी, न्यूज

बॉलीवुडी एक्ट्रेस इलियाना डिक्रूज ने हाल में अपने बेटे को जन्म दिया है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर बेटे की खूबसूरत फोटो शेयर कर उसके यूनिक नाम काम खुलाया किया है।

बॉलीवुड एक्ट्रेस इलियाना डिक्रूज मां बन चुकी हैं। हाल में 1 अगस्त को उन्होंने एक बेटे को जन्म दिया है, जिसकी फोटो एक्ट्रेस ने हाल में अपने इंस्टाग्राम पर शेयर की है। साथ ही उन्होंने अपने बेटे के यूनिक नाम को भी रिवील कर दिया है, जो उनके फैंस को काफी पसंद भी आ रहा है। इससे पहले एक्ट्रेस ने मई में अपनी प्रेग्नेंसी अनाउंस की थी, जिसके बाद अब वो मां बन चुकी हैं। अपने बेटे की फोटो शेयर करते हुए एक्ट्रेल मे एक पोस्ट भी शेयर किया है, जिनमें उन्होंने अपने बेटे के लिए अपना प्यार व्यक्त किया है।

एक्ट्रेस ने अपने बेटे की जो फोटो शेयर की है उस पर लिखा है। इसके साथ ही उन्होंने एक प्यारा सा कैप्शन में भी शेयर किया है, जिसमें वो लिखती हैं ह्यकोई भी शब्द ये नहीं बता सकता कि हम अपने प्यारे बेटे का दुनिया में स्वागत करते हुए कितने खुश हैं। दिल भर आया।

इलियाना डिक्रूज ने अपने बेटे को जन्म 1 अगस्त को दिया था, लेकिन उन्होंने फोटो शनिवार (5 अगस्त) को शेयर की थी। फोटो शेयर करने के बाद से ही एक्ट्रेस के पोस्ट पर उनके फैंस और फ्रेंड उनको मां बनने की बधाई दे रहे हैं और साथ ही उनके बेटे के यूनिक नाम की तारीफ भी कर रहे हैं। कुछ समय पहले इलियाना ने अपने पार्टनर के साथ एक डेट नाइट एन्जॉय करते हुए फोटो शेयर की थी। हालांकि, एक्ट्रेस ने इस पोस्ट में अपने बॉयफ्रेंड का नाम रीविल नहीं किया था। इसके अलावा एक्ट्रेस की सगाई और जल्द शादी की खबरें भी सामने आई थीं, लेकिन एक्ट्रेन ने इस पर कोई रिएक्शन नहीं दिया था।

मुस्कुराई और दिलों पर छाई, रॉयल लुक में डराएगी चंद्रमुखी

टीजर में चंद्रमुखी बनी कंगना रनौत की पहली दबी दबी सी झलक दिखाई गई है, बैकग्राउंड में बेहद ही खूबसूरत गाना बज रहा है जिसका टाइटल है स्वागतांजलि।

कंगना रनौत हमेशा से ही अपने किरदारों से लोगों को हैरान करती रही हैं और इस बार वो स्क्रीन पर चंद्रमुखी बनकर लौटी हैं लेकिन जरा संभलकर उनके रॉयल लुक के पीछे का सच आप नहीं जानते. चंद्रमुखी आएगी तो सही रानी की तरह लेकिन आपके जहन पर छोड़ेगी डरावनी छाप. कंगना रनौत की फिल्म चंद्रमुखी 2 का टीजर रिलीज कर दिया गया है. इससे पहले इसका पोस्टर सामने आया था।

टीजर में चंद्रमुखी बनी कंगना रनौत की पहली दबी दबी सी झलक दिखाई गई है. बैकग्राउंड में बेहद ही खूबसूरत गाना बज रहा है जिसका टाइटल है स्वागतांजलि. फिल्म में ये चंद्रमुखी का इंट्रो सीन होने वाला है. इसे देखकर यही अटकलें लगाई जा रही हैं।

इस टीजर को देखने के बाद दर्शक काफी खुश हैं क्योंकि ये काफी इम्प्रेसिव लग रहा है. कंगना रनौत भी इस लुक में काफी दमदार लग रही हैं और उनकी खूब तारीफ भी हो रही है. रानी बनी चंद्रमुखी बेहद खूबसूरत लग रही हैं. इस पोस्ट में रिवील किया गया है कि जल्द ही पूरा गाना रिलीज किया जाएगा. इसी साल गणेश चतुर्थी पर फिल्म रिलीज होगी।

चंद्रमुखी का सीक्वल है ये फिल्म

साल 2005 में आई थी चंद्रमुखी जिसका निर्देशन किया था पी वासु ने. इस फिल्म में रजनीकांत और ज्योतिका ने लीड रोल निभाया था जिसे लोगों ने खूब पसंद किया. ये फिल्म टीवी पर भी काफी पसंद की गई और आज भी लोग इसे देखना पसंद करते हैं. अब चंद्रमुखी 2 इसी के आगे कहानी को नए अंदाज में दिखाया जाएगा. इसका इंतजार दर्शक और कंगना के फैंस काफी समय से कर रहे थे और अब इनका इंतजार जल्द ही खत्म होने वाला है. हर बार अपने किरदारों से दिलों पर छाने वालीं कंगना इस बार चंद्रमुखी बनकर डराने वाली हैं।

साहित्य, करण वाणी

सुनो भाई पीने वालो...

जगह जगह ठेके खुले,
लगा रहे हैं जाम,
पी पीकर गिरते फिरें,
क्या सुबह क्या शाम।
अंग्रेजी देशी पियें,
पियें विस्की और रम,
बियर बार हैं खुल गये,
रातों दिन हे राम।

महंगाई की रो रहे,
रोटी मिले न दाल,
दारू महँगी हो भले,
पीना है हर हाल।
यारों की महफि ल सजे,
हर बार हर माल,
ठेके वाले बन रहे,
देखो कैसे माला माल।

पीने वालों का नहीं,
निश्चित कोई दिन,
चौबीस घंटे पी रहे,
बिलकुल होकर टुन्न।
सावन भादों भी पियें,
पीते बारह मास,
आ जाये बरसात,
तो खायें पकौड़ा साथ।

आदित्य हिंग्लिश बोलते,
कछू समझ ना आय,
पर झूठ नहीं वे बोलते,
सब कुछ सच कहि जायँ।
सब कुछ सच कहि जायँ,
सुनो हो पीने वालो,
बुरा रोग है दारू पीना,
सुनो भाई दारू वालो।

कर्नल आदि शंकर मिश्र, आदित्य
लखनऊ

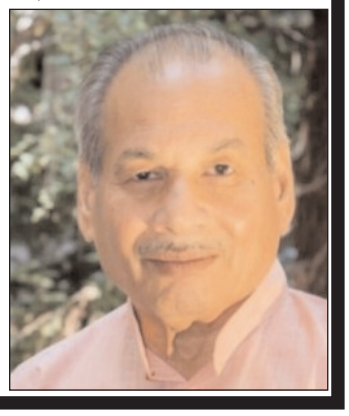

मत सिखाओ जिंदगी जीने का सलीका तुम किसी को

मत सिखाओ जिंदगी जीने का सलीका तुम किसी को,
तुम खुद में इतने भी तजुरबेदार नही हो

अगर जो गुरुर तुमको हो चला है, उमर का अपनी,
तो याद रखो कि ऊपर वाले की दी गई जिंदगी का तुम मौलवी किरदार नही हो.

चलो माना तुमने कुछ बरस, कुछ धूप, कुछ आंधियाँ किसी से ज्यादा देखी होंगी,

पर उसकी कश्ती को तुम तूफान से निकाल लाओ, इतने भी तुम होशियार नही हो..

मत सिखाओ जिंदगी जीने का सलीका किसी को,

तुम खुद में इतने भी तजुरबेदार नही हो

सबकी राहें, राहगीर, और मंजिलें अलग हैं।

तुम सब कुछ समझ जाओ, इतने भी समझदार नही हो

मत सिखाओ जिंदगी जीने का सलीका तुम इतने भी तजुरबेदार नही हो..

जो अपने सलाह की नुमाइश करने आते हो तुम,

बिन मसला समझे सहूलियत का रास्ता बुझाते हो तुम,

जो तुम्हारी सलाह मानकर तबाह हो जाए जिंदगी उसकी,

तुम सब पहले सा कर पाओ, उसका खोया उसको वापस लौटा पाओ,
इतने भी काबिल इंसान नही हो तुम

मत सिखाओ जिंदगी जीने का सलीका तुम किसी को,

तुम खुद में इतने भी तजुरबेदार नही हो

डॉ. विदुषी सिंह, एमबीबीएस एमडी
केजीएमयू
लखनऊ।

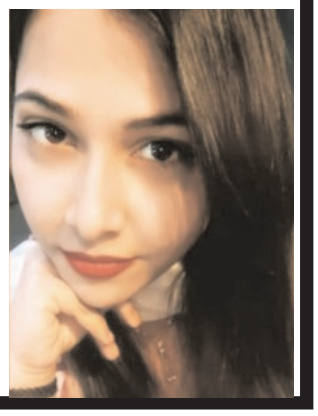

बाल अपराध के शिकार बच्चों में समाज के प्रति पनपा अविश्वास और घृणा अत्यंत खतरनाकः कांग्रेस

दो घंटे में महिलाओं और बच्चियों के साथ रेप और यूपी में हर 90 मिनट में एक बच्चे के साथ अपराध की रिपोर्ट दर्ज होती- एनसीआरबी

करण वाणी, न्यूज

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता विकास श्रीवास्तव ने कहा कि 2012 में बच्चों को यौन हिंसा से बचाने के लिए मनमोहन सिंह सरकार द्वारा लाया गया पास्को एक्ट का लक्ष्य असुरक्षित बच्चों के हितों का संरक्षण करना तथा उनकी सुरक्षा व गरिमा को सुनिश्चित करना था। पिछले 9 सालों से बाल अपराध को रोक पाने में पूरी तरीके से आकर्मण्य और विफल केंद्र की मोदी सरकार ने 2019 में पाक्सो एक्ट में कुछ जरूरी संशोधन करते हुए जो बड़े-बड़े दावे किए थे, वह सभी दावे आज पूरी तरीके से हवा हवाई साबित हुए हैं। सच्चाई यह है कि नेशनल क्राइम रिकॉर्डस ब्यूरो (एनसीआरबी) की वार्षिक रिपोर्ट ने देशभर में और उत्तर प्रदेश में अपराध की भयावह तस्वीर उजागर किया है। हालिया रिपोर्ट में दावा किया गया कि हर दो घंटे में राज्य पुलिस में महिलाओं और बच्चियों के साथ रेप का एक मामला दर्ज किया जाता है,जबकि यूपी में हर 90 मिनट में एक बच्चे के साथ अपराध की रिपोर्ट है। वही उपलब्ध एनसीआरबी 2021 के आंकड़ों के मुताबिक देशभर में बच्चों के खिलाफ अपराध के मामलों में 16 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई थी, जो आज 2023 में लगभग 18 प्रतिशत पार है।

कांग्रेस प्रवक्ता विकास श्रीवास्तव ने कहा कि उपलब्ध आंकड़ों, अपराध की प्रवृत्ति, पुलिसिया रवैया और समाज की ऐसे मामलों को नजरअंदाज करने की भूमिका के चलते आज समूचे देश में बच्चों के साथ यौन उत्पीड़न की घटनाएं काफी तेजी से बढ़ती जा रही हैं। इसे सिर्फ कानून बनाकर रोक पाना संभव नहीं हैं। आज उसके लिए सरकारों को सामाजिक जागरूकता पैदा करने हेतु कार्यक्रमों और मजबूत रोडमैप बनाने की जरूरत है। आम नागरिकों व सामाजिक संगठनों को भी बाल हिंसा के खिलाफ आज जनआंदोलन खड़ा करने की जरूरत है।

कांग्रेस प्रवक्ता विकास श्रीवास्तव ने योगी सरकार से मांग किया कि प्रदेश सरकार को आज बढ़ते बाल अपराध को रोकने के लिए कारगर जमीनी कार्यक्रम प्रदेश भर के गांव और शहरों में ब्लॉक और वार्ड स्तर पर चलाने की जरूरत है। इसके अलावा सरकार को समाज में आय दिन होने वाले बाल अपराध के प्रति अपना कड़ा रुख अख्तियार करना चाहिए। उन्होंने सरकार का ध्यान आकृष्ट कराते हुए बताया कि ताजा मामला सिद्धार्थनगर जिले के पथरा थाना क्षेत्र एक गांव में दो नाबालिग बालकों से दरिंदगी का मामला सामने आया है। मुर्गी की दुकान में घुसने पर उसके मालिक और अन्य लोगों ने दरिंदगी की हदें पार कर दी। बच्चों को पेशाब पिलाया, फिर पेट्रोल का इंजेक्शन लगाया गुप्तांग में हरी मिर्ची डाल दिया। बच्चे चीखते चिल्लाते रहे। लेकिन दरिंदगी करने वालों को जरा सा भी दया नहीं आई। एक अन्य मामला फरवरी 2022 में यूपी में बच्चे के साथ दरिंदगी की हदें पार मामला सामने आया था, जिसमें चेहरा जलाया, कील से निकाली आंखे, बच्चे का शव देखकर, दिल दहल उठा।

कांग्रेस प्रवक्ता श्री श्रीवास्तव ने कहा कि कितने मामलों को गिनाया जाए? सोशल मीडिया और मीडिया में आए दिन बच्चों के साथ दरिंदगी की हदें पार होती खबरों और वीडियो को समूचा देश देख रहा, फिर भी हमारी केंद्र और प्रदेश की सरकारें अपनी जिम्मेदारियों के प्रति बेपरवाह नजर आ रही हैं।केवल एफआईआर, अदालत और पुलिस द्वारा की जाने वाली खानापूर्ति करके बच्चों में आत्मविश्वास और सुरक्षा का भाव नहीं पैदा कर सकते है। दरिंदगी के शिकार लाखों बच्चें,जो दर्द भरे जीवन को जीने के लिए मजबूर हैं। मानसिक आघात के शिकार ऐसे बच्चों में समाज के प्रति पनपे हुए अविश्वास और घृणा को न हम खत्म कर सकते है, न ही हम उन बच्चों में बीजेपी सरकार के ह्यह्यन्यू इण्डिया और विकासह्लह्ल जैसे फर्जी नारों के प्रति विश्वास पैदा कर सकते हैं?

कांग्रेस प्रवक्ता विकास श्रीवास्तव ने कहा कि सच्चाई कड़वी है कि समूचे देश के साथ-साथ उत्तर प्रदेश में भी हम अपने पीड़ित बच्चों को न्याय नहीं दिला पा रहे हैं। हालिया आंकड़ों से भी ज्यादा स्थितियां भयावह है। देश भर की अदालतों में बच्चों के प्रति हुए अपराधों में से ज्यादातर मामलों का लंबे समय से निराकरण नहीं हो रहा है। सरकारी लापरवाही, पुलिस की कमजोर जांच, पुलिस अधिकारियों की असंवेदनशीलता और भ्रष्टाचार के कारण पास्को एक्ट के मामलों में समय से चार्जशीट तक नहीं दायर हो रही है। सरकार को ऐसे मामलों को बहुत ही तत्परता और गंभीरता से निपटाना चाहिए।

नूंह में अब तक 37 इमारतों पर चला बुलडोजर, जिन मकानों से फेंके गए पत्थर, उन पर होगा एक्शन

हरियाणा के नूंह में 31 जुलाई को हुई हिंसा के बाद सरकार एक्शन मोड में आ गई है. सरकारी एजेंसियों ने उपद्रवियों की तलाश शुरू कर दी है. उनकी अवैध संपत्तियों को भी ढहाया जा रहा है. इसके साथ ही उन जगहों का भी पता लगाया जा रहा है, जहां से पत्थरबाजी की घटनाएं हुईं हैं।

हरियाणा के नूंह में हुई हिंसा को लेकर बुलडोजर एक्शन लगातार जारी है. रविवार को भी भारी पुलिस बल की मौजूदगी में हिंसा वाले इलाके में अवैध होटलों पर बुलडोजर चला. आरोप है कि उन होटल को अवैध तरीके से बनाया गया था और उन्हीं होटलों से 31 जुलाई को दंगाई छिपकर पथराव कर रहे थे. वहीं हरियाणा पुलिस ऐसी सभी इमारतों की पहचान कर रही है जहां से पत्थर फेंके गए थे. पुलिस अधिकारी का कहना है कि ऐसी सभी इमारतों पर एक्शन होगा।

रविवार को प्रेस कांफ्रेंस करते हुए एसपी नूंह नरेंद्र बिजारनिया ने कहा कि हरियाणा से सटे राजस्थान के इलाकों से भी लोग नूंह में दाखिल हुए थे. हम राजस्थान पुलिस से संपर्क में हैं, बाकी दूसरे स्टेट के लोग होंगे तो वहां की पुलिस से भी संपर्क करेंगे. बुलडोजर उन बिल्डिंग पर भी चला है, जहां से पत्थर फेंके जा रहे थे. सबने देखा किस-किस बिल्डिंग से पथराव किया जा रहा था।

उन्होंने कहा कि हम उन घरों और बिल्डिंग की पहचान कर रहे हैं, जहां से पत्थर फेंके गए. वहां भी एक्शन होगा. जो डरकर छुप रहा है, इसका मतलब उसने गलती की है. अगर कोई गलत नहीं है तो वो पुलिस के सामने आए. निर्दोष लोगों पर कोई एक्शन नहीं होगा. अब तक 37 बिल्डिंग पर बुलडोजर चला है और कई एक-ड़ की जमीन खाली करवाई गई है।

यूपी में सांसद-विधायक का फोन ना उठाने वाले अधिकारियों पर अब होगी कड़ी कार्रवाई!

करण वाणी, न्यूज

यूपी में सभी जिलों में तैनात अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वो जनप्रतिनिधियों का फोन जरूर उठाएं, अगर अधिकारी जनप्रतिनिधियों का फोन नहीं उठाते हैं, तो उन पर कड़ी कार्यवाई की जाएगी।

उत्तर प्रदेश में अधिकारियों द्वारा सांसदों विधायकों और मंत्रियों के फोन ना उठाए जाने की शिकायतें पिछले कई दिनों से चर्चा का विषयबनी हुई है, जिसको लेकर के प्रमुख सचिव संसदीय कार्य की तरफ से सभी विभागों के प्रमुखों को पत्र लिखकर निर्देश दिए गए हैं, इसमेंकहा गया है कि अगर अधिकारी जनप्रतिनिधियों का फोन नहीं उठाते हैं, तो उन पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

दरअसल, यूपी में सभी जिलों में तैनात अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वो जनप्रतिनिधियों का फोन जरूर उठाएं, हाल ही मेंमध्यांचल के एमडी भवानी सिंह द्वारा फोन ना उठाने की शिकायत केंद्रीय मंत्री कौशल किशोर ने उच्च स्तर पर की थी,

जिसके बाद मानाजा रहा है कि यह निर्देश दिए गए हैं।

दिए गए आदेश

सूत्रों की माने तो आदेश में लिखा गया है की अधिकारी मोबाइल में सांसदों और विधायकों के नंबर सेव करें और उचित सम्मान के साथउनसे बात करें, साथ ही अगर किसी बैठक के दौरान अधिकारी फोन न उठा पाने की स्थिति में हैं, तो बैठक खत्म होने के बाद कॉल बैकजरूर किया जाए, माना यह भी जा रहा है कि केंद्रीय मंत्री कौशल किशोर से इतर कई और जनप्रतिनिधियों ने अधिकारियों द्वारा अपनेफोन ना उठाने की शिकायत की थी।

विभागों के प्रमुखों को लिखा गया पत्र

आपको बता दें इसके पहले भी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तरफ से भी अधिकारियों को जनप्रतिनिधियों की समस्याएं सुनने औरउनका हल करने के निर्देश दिए जा चुके हैं, इसके बावजूद इस तरह की चीज होने के बाद अब प्रमुख सचिव संसदीय कार्य द्वारा यहनिर्देश सभी विभागों के प्रमुखों को पत्र लिखकर दिया गया है।

ए.एस.आई टीम ने खुलवाया ज्ञानवापी का तहखाना, खंडित मूर्तियां मिलने का किया दावा!

वादिनी सीता शाहू ने बताया कि सर्वे टीम ने जब तहखाने को खोला तो वहां पर पहले जिस प्रकार से दावा किया गया वैसे ही खंडित मूर्तियां मिली, इसके साथ ही तहखाने में खंडित अवशेष और टूटे हुए मंदिर के खंभे पड़े हुए है, हालांकि सीता शाहू से जब पूछा गया कि वह मूर्तियां किसकी थी, तो वह इसे बताने में अक्षम रही और कहा कि टीम सर्वे रिपोर्ट में इन सब बातों का उल्लेख कर न्यायालय में देगा की तहखाने की मूर्तियां कितनी पुरानी और किसकी है।

करण वाणी, न्यूज

वाराणसी। ज्ञानवापी में चल रहे अरकसर्वे के दौरान शनिवार को ज्ञानवापी के तहखानों को खुलवाया गया. तहखाने में अरक टीम की टीम ने सर्वे के लिए निरीक्षण किया. ज्ञानवापी में हुए सर्वे की पहली पाली के पश्चात ज्ञानवापी से निकली हिंदू पक्ष की वादिनी ने चौकाने वाले खुलासे किए. हिंदू पक्ष की वादिनी सीता शाहू ने ज्ञानवापी में हो रहे सर्वे की लेकर जहां मुस्लिम पक्ष के सहयोग करने की बात कही, तो वही ज्ञानवापी के तहखाने में खंडित मूर्तियों और टूटे खंभों के अवशेष मिलने के दवा किया. सीता शाहू ने बताया कि तहखाने में लाइट न होने के बाद लाइट की व्यवस्था प्रशासन के द्वारा करवाया गया और अरक टीम ने तहखाने का वीडियोग्राफी किया।

तहखाने में मिली खंडित मूर्तियां, मंदिर के खंभों के अवशेष भी पाए गए : सीता शाहू

वादिनी सीता शाहू ने बताया कि सर्वे टीम ने जब तहखाने को खोला तो वहां पर पहले जिस प्रकार से दावा किया गया वैसे ही खंडित मूर्तियां मिली. इसके साथ ही तहखाने में खंडित अवशेष और टूटे हुए मंदिर के खंभे पड़े हुए है. हालांकि सीता शाहू से जब पूछा गया कि वह मूर्तियां किसकी थी, तो वह इसे बताने में अक्षम रही और कहा कि अरक की टीम सर्वे रिपोर्ट में इन सब बातों का उल्लेख कर न्यायालय में देगा की तहखाने की मूर्तियां कितनी पुरानी और किसकी है।

अरक की टीम बताएगी कितनी पुराने है अवशेष, मुस्लिम पक्ष को होगा विश्वासः सीता शाहू

सीता शाहू ने आगे बताया की तहखाने के अंदर नकाशीदार पत्थर पड़े है. तहखाने में मिल रहे अवशेष से हिंदू पक्ष को मजबूती मिलेगी. हम सभी पहले से कह रहे है कि यहां मंदिर था और मुस्लिम पक्ष इसे नकारता रहा. जब अरक टीम बताएगी कि यह अवशेष कितना पुराना है, तो मुस्लिम पक्ष को भी उनकी रिपोर्ट को मानना पड़ेगा।

सघन मिशन इंद्रधनुष 5.0 का शुभारम्भ

प्रदेश के समस्त जनपदों में नियमित टीकाकरण कार्यक्रम के अन्तर्गत 0 से 5 वर्ष तक के छूटे हुए बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं को समस्त वंचित / आवश्यक खुराकों से आच्छादित कर पूर्ण रूप से प्रतिरक्षित करने के लिए सघन मिशन इन्द्रधनुष 5.0 का शुभारंभ।

करण वाणी, न्यूज

लखनऊ। 2023 सघन मिशन इंद्रधनुष (आई०एम0आई0) 5.0 उत्तर प्रदेश में 7 अगस्त, 2023 को लॉन्च किया जाएगा। यह अभियानराज्य के सभी 75 जिलों में तीन चरणों (7-12 अगस्त). (11-16 सितंबर) और (9-14 अक्टूबर) 2023 में आयोजित किया जाएगा।इस अभियान के तहत टीकाकरण कवरेज के प्रतिशत को बढ़ाने के लिए 0-5 वर्ष तक की आयु के बच्चों के लिए सभी छः कार्य दिवसोंपर टीकाकरण किया जाएगा। आई0एम0आई0-50 के लॉन्च और जन जागृति लाने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार के स्वास्थ्य एवंपरिवार कल्याण विभाग द्वारा राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उत्तर प्रदेश और स्वयंसेवी संगठन यूनिसेफ के सहयोग से रविवार 06-08-2023 को राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन कार्यालय, 16-ए0पी0 सेन मार्ग, चारबाग, लखनऊ में मिशन निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन डॉ. पिंकीजोवल, आई०ए०एस० की अध्यक्षता में मीडिया कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला में महानिदेशक परिवार कल्याण, महानिदेशक चिकित्सा स्वास्थ्य डा० दीपा त्यागी, राज्य प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. अजयकुमार गुप्ता, महाप्रबंधक, नियमित टीकाकरण, डॉ० मनोज कुमार शुक्ल और डा० विकासेन्दु अग्रवाल, राज्य सर्विलांस अधिकारी ने भीमीडियाकर्मियों की जिज्ञासाओं का उत्तर प्रदान किया।

मीडिया कार्यशाला में वार्ता करते हुए मिशन निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उत्तर प्रदेश डॉ० पिंकी जोवल ने कहा कि सघन मिशनइन्द्रधनुष झ्र 5.0 में प्रत्येक बच्चे को जीवन रक्षक टीके मिलें, इसके लिए 5 वर्ष की आयु तक के टीकाकरण से वंचित बच्चों को समस्तड्यू खुराकें देने और लक्षित गर्भवती महिलाओं को लक्ष्य में शामिल किया गया है। मिजिल्स रूबेला उन्मूलन के दृष्टिगत विशेष रूप सेएम0आर0-1 एवं 2 के साथ ही पी०सी०वी० एफ०आई०पी०वी०-3 डी०पी०टी०झ्र 1 बूस्टर एवं डी०पी०टी०-5 वर्ष एवं टी०डी० 10/16 खुराक के कवरेज में सुधार पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

इस पहल का लक्ष्य दिसंबर 2023 तक देश के खसरा रूबेला उन्मूलन केलक्ष्य को प्राप्त करने के लिए उत्तर प्रदेश के प्रत्येक जिले में खसरा और रूबेला युक्त वैक्सीन (एम०आर०सी०वी०) की दो खुराक का95 प्रतिशत टीकाकरण कवरेज प्राप्त करना है। शहरी क्षेत्रों में टीकाकरण के स्तर में कमी को पूरा करने के लिए सभी जिलाचिकित्सालयों, सरकारी शहरी सामुदायिक एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर दैनिक टीकाकरण की सुविधा भी शुरू की गई है। स्वास्थ्यविभाग द्वारा दिए जा रहे निःशुल्क टीकाकरण से किसी भी परिवार में मात्र एक बच्चे के लिए टीकाकरण कराने पर औसतन 15 से 20 हजार रुपए की आर्थिक बचत के साथ ही बच्चों के स्वास्थ्य, पोषण एवं उनकी उत्पादकता में सुधार होता है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक सीमा सिंह द्वारा प्वांइट ऑफसेट, 86/98 कुर्मी टोला गुरुगोविन्द सिंह मार्ग, लालकुआं, लखनऊ-226018 से मुद्रित एंव पहाड़पुर, पोस्ट बंथरा, लखनऊ-226401 (उ.प्र.) से प्रकाशित।
सम्पादक- पंकज सिंह मो- 9415067370 E-mail:-karnvaninews@gmail.com website:- www.karnvaninews.com RNI-UPHIN/2016/74800